सुबह का सपना | By Jai Shankar Chaudhary |

राम सिया राम सिया राम जय जय राम
राम सिया राम सिया राम जय जय राम

सुबह सुबह का सपना है ये गढ़ लंका के अंदर
लंबी लंबी पूंछों वाले घूम रहे हैं बंदर
राम की जय जय बोले, राम की जय जय बोले

सुनो सुनो हे प्राण प्यारे, अच्छी बात नहीं है
ऐसा लगता भाग्य विधाता अपने साथ नहीं है
आज मेरा मनवा डोले, आज मेरा मनवा डोले
राम की जय जय बोले, राम की जय जय बोले

इस लंका का कोना कोना मैंने गिरते देखा
बड़े बड़े बलशाली राक्षस सबको मरते देखा
करेंगे रक्षा भोले, करेंगे रक्षा भोले
राम की जय जय बोले, राम की जय जय बोले

गोरे गोरे दो बालक थे, ऐसे बाण चलाए
अपने कूल के वीरों का सर पल में कटता जाए
कहाँ है सीते बोले, कहाँ है सीते बोले
राम की जय जय बोले, राम की जय जय बोले

जिसने अपनी लंका जलाई वो बनार फिर आया
बनवारी लंकावासी को पकड़ पकड़ धमकाया
महल में तुमको टटोले, महल में तुमको टटोले
राम की जय जय बोले, राम की जय जय बोले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%ac%e0%a4%b9-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-jai-shankar-chaudhary/